ॐ श्री उग्रतारायै नमः

मिथिलादेशीय मकरन्दानुसार

मैथिली पञ्चांग

सन् १४३३ साल (अंग्रेजी २०२५ - २०२६ ई०)

विक्रम सं०-२०८२-८३

राजा-बुध | मंत्री-शनि

वर्षा-११ | धान्य-११

संपादनकर्त्ता : डॉ० मुक्ति कुमार झा
मछैता, दरभंगा

संकलनकर्त्ता : पं० गोपीकान्त झा

प्रकाशक : उर्वशी प्रकाशन, पटना

© प्रकाशकाधीन

मूल्य : १५.००

१४३३ सालक पदाधिकारी

वर्षक नाम सिद्धार्थ अछि । जकर राजा बुध आ मंत्री शनि छथि । पालक बुध आ मेघाधिप मंगल छथि । तोयाधिप बुध आ शस्याधिप चन्द्रमा छथि । लोकाधिप बुध, संवर्त्तक नामक मेघ अछि । जकर फलाफल वर्षा-११ आ धान्य-११ होयत ।

१४३३ सालक शुद्ध समय

उपनयनक दिन : २०२६ ई० मे जनवरी–२१ । फरवरी–२२, २६, २७ । मार्च–२७ (क्ष०वै०), २१ । अप्रैल–२१ (छ०), २७ । जून–१७ (क्ष०वै०), १९, २४, २५ ।

विवाहक दिन : २०२५ ई० मे नवम्बर–२०, २१, २३, २४, २६, २७, ३० । दिसम्बर–१, ४, ५ । २०२६ ई० मे जनवरी–२१ । फरवरी–५, ६, ८, १५, १९, २०, २२, २५, २६ । मार्च–४, ९, ११, १३ । अप्रैल–१७, २०, २६, ३० । मई–१, ६, ८, १०, १३ । जून–१९, २४, २५, २६, २८, २९ । जुलाई–१, २, ३, ६, ९, १२ ।

द्विरागमनक दिन : २०२५ ई० मे नवम्बर–२१, २३, २४, २६, २७, २८ । दिसम्बर–१, ४, ५, ७, ८ । २०२६ ई० मे फरवरी–१८, १९, २०, २२, २५, २६, २७ । मार्च–१, ४, ५, ६, ८ । अप्रैल–२०, २३, २४, ३० । मई–१, ३, ४, ६ ।

मुण्डनक दिन : २०२५ ई० मे नवम्बर–२१, २७ । दिसम्बर–१ । २०२६ ई० मे जनवरी–२१, २३, २८, २९ । फरवरी–६, २०, २६, २७ । मार्च–५, ६ । अप्रैल–२०, २३, २९ । मई–४ । जून–१७, २४, २५ । जुलाई–१, २, ३, १५ ।

काल : अग्रहण सँ माघ–पूब, फाल्गुन सँ बैशाख–दक्षिण ।
ज्येष्ठ सँ श्रावण–पश्चिम, भादव सँ कार्तिक–उत्तर ।

	सिद्धयादियोग				अधपहरा		दिकशूल
दिन	सिद्धयोग	अमृतयोग	मृत्युरोग	अधमयोग	दिनमे	रातिमे	दिशा
रवि	३।०८।१३	५।१०।१५	१।०६।११	१२	४।५	४।६	प०
सोम	१।०६।११	५।१०।१५	२।०७।१२	११	२।७	४।७	पू०
मंगल	३।०८।१३	२।०७।१२	१।०६।११	१०	२।६	०।२	उ०
बुध	२।०७।१२	१।०६।११	३।०८।१३	३	३।५	५।७	उ०
वृहस्पति	५।१०।१५	३।०८।१३	४।०९।१४	६	७।८	५।८	द०
शुक्र	१।०६।११	४।०९।१४	२।०७।१२	२	३।४	०।३	प०
शनि	४।०९।१४	१।०६।११	५।१०।१५	७	१।६।८	१।६।८	पू०

आनन्दादि योग विचार

दिन तथा योग क्रमानुसार गणनीय रवि–अश्विनी, सोम–मृगशिरा, मंगल–श्लेषा, बुध–हस्त, वृहस्पति–अनुराधा, शुक्र–उत्तराषाढ़, शनि–शतभिषासँ आरम्भ कय अभिजित सहित २८ आनन्दादि योगांक होइत अछि। योगांक १,४,५,८,११,१२,१३,१४,१९,२०,२१,२७,२८, शुभ ३,७,२६ ओ शेष अशुभ योग ज्ञातव्य।

शिववास तिथि **शुक्ल पक्ष**–२, ५, ६, ९, १२, १३ **कृष्ण पक्ष**–१, ४, ५, ८, ११, ३०

१४३३ सालक राशिफल

मेष–चु, चे, चा, ल, लि, लु, ले, लो, अ।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष संघर्षपूर्ण रहत। स्वास्थ्य सम्बंधी परेशानी बनल रहत। मानसिक तनाव रहत। वाहन चलेबामे अत्यंत सावधानीक जरुरत अछि। शत्रु सँ सावधान रहबाक चाही। निरर्थक दौड़-धूप रहत। हनुमान चालीसा आ सुन्दरकाण्डक पाठ करबाक चाही।

वृष–इ, उ, ए, ओ, ब, बि, बु, बे, बो।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष सामान्य शुभदायक रहत। आर्थिक स्थितिमे सुधार होएत। जमा पूँजीक धनमे वृद्धि होएत। वाहन खरीदबाक योजना बनत। विद्यार्थी वर्गके सफलता भेटत। घरमे मांगलिक कार्य होएत। दाम्पत्य जीवनमे कटुता आएत। संतान सम्बंधी चिन्ता रहत।

मिथुन–क, कि, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष उन्नति कारक अछि। समाजमे प्रतिष्ठा बढ़त। स्वास्थ्य उत्तम रहत। धनक आवागमन बनल रहत। संतान सँ सुख भेटत। संतानक उन्नति होएत। नौकरीमे पदोन्नतिक योग अछि। विद्यार्थी वर्गके मेहनत सँ सफलता भेटत। माता-पिताक स्वास्थ्य सामान्य रहत।

कर्क–हि, हु, हे, हो, ड, डा, डि, डु, डे, डो।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष शुभदायक अछि। वर्षमे कई तरहक उन्नतिक योग बनत। स्वास्थ्य बाधायुक्त रहत। प्रयास कएलासँ आर्थिक क्षेत्रमे सफलता भेटत। रुकल धन प्राप्त होएत। नव सम्पत्ति खरीदबाक योग अछि। व्यापारमे लाभ होएत। नौकरीवलाके पदोन्नतिक योग अछि। मांगलिक कार्य होएत।

सिंह–म, मी, मु, मे, मो, ट, टि, टु, टे।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष कष्टदायक रहत। सम्पत्ति सम्बंधी विवाद भऽ सकैत अछि। जल्दबाजीमे निर्णय लेलासँ हानि भऽ सकैत अछि। वाहन चलेबामे सावधानी बरतबाक चाही। मित्रक सहयोग बनल रहत। न्यायालयक क्षेत्रमे कार्य विस्तार भऽ सकैत अछि। संतान सँ सुख प्राप्त होएत।

कन्या–टो, पा, पि, पु, ष, ण, ठ, पे, पो।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष सामान्य शुभदायक रहत। पेट सम्बंधी रोग सँ सावधान रहबाक चाही। आर्थिक मामलामे सफलता भेटत। धनक बचत पर ध्यान देबाक चाही। अनावश्यक खर्च बढ़ि सकैत अछि। सम्पत्ति खरीदबाक योग बनत। सन्तानक

उन्नति होएत । दाम्पत्य जीवन सुखमय रहत ।

तुला–र, रि, रु, रे, रो, त, ति, तू, ते ।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष मिश्रित फलदायक अछि । स्वास्थ्य सम्बंधी परेशानी भऽ सकैत अछि । व्यापारमे मंदी रहत । सगा-सम्बंधीक सहयोग सँ कार्यक्षेत्रक परेशानीमे कमी आएत । रुकल धन प्राप्त होएत । जल-अग्नि सँ सावधान रहबाक चाही । विद्यार्थी लोकनिके सफलता भेटत ।

वृश्चिक–तो, न, नि, नु, नो, य, यि, यु ।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष सकारात्मक रहत । रुकल कार्य बनबाक सम्भावना अछि । शत्रु पक्ष सँ प्रतिस्पर्धा भऽ सकैत अछि । सगा-सम्बंधी सँ सहयोग भेटत । आर्थिक स्थितिमे सुधार सम्भव अछि । व्यवसाय आ कृषि क्षेत्रमे लाभ होएत । घरमे मांगलिक कार्य सम्भव अछि ।

धनु–ये, यो, भ, भी, भू, भे, ध, फ, ढ ।

एहि राशिवालाक लेल शनिक ढैयाक कारण बढ़ियाँ आ खराब दुनू तरहक फल भेटत । कार्यमे व्यवधान उत्पन्न होएत । स्वास्थ्यमे उतार-चढ़ाव रहत । अनावश्यक खर्च बढबाक सम्भावना अछि । मानसिक तनाव रहत । व्यापार क्षेत्रमे उतार-चढ़ाव देखबाक भेटत । क्रोध पर नियंत्रण रखबाक चाही ।

मकर–भो, ज, जि, जु, जे, जो, ख, खि, खु, खे, खो, ग, गि ।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष उतार-चढ़ाव वाला रहत । स्वास्थ्य बाधायुक्त रहत । मानसिक तनावसँ पीड़ा होएत । आर्थिक लेन-देनमे सावधानी बरतबाक चाही । धनक हानि सम्भव अछि । कार्य क्षेत्रमे विघ्न-बाधा आएत । व्यवसायमे सफलता भेटत । माता-पिताक स्वास्थ्य बाधायुक्त रहत ।

कुम्भ–गु, गे, गो, स, सि, सु, से, सो, द ।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष शनिक साढ़ेसातीक प्रभाव वाला रहत । ई वर्ष विशेष फलदायक रहत । स्वास्थ्यक सम्बंध मे चिन्ता बढ़ि सकैत अछि । मानसिक तनाव सँ बचबाक चाही । जमा पूँजीक निवेश सही जगह करबाक चाही । विद्यार्थी लोकनिके सफलता भेटत । संतानके लाभ भेटत । व्यापारमे बढ़ोत्तरी होएत ।

मीन–दि, द, थ, झ, ज, दे, दो, च, चि ।

एहि राशिवालक लेल ई वर्ष शनिक साढ़ेसातीक कारण प्रभाव उग्र रहत । मानसिक तनाव बढ़त । न्यायलयक कार्यमे देरी होएत । नव विरोधी सँ विवाद भऽ सकैत अछि । खरीद-बिक्री आ निर्माणक योग बनत । नौकरी-पेशावालाक लेल स्थानान्तरणक योग अछि ।

दिन	तिथि ति.	द. प.	घं. मि.	नक्षत्र	द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने गते	अं. ता.	श्रावण कृष्णपक्ष जुलाई २०२५ ई० उदय-५।१४ अस्त-६।४६
शुक्र	१	५२।१४	रा. २।०८	पूषा.	०३।४४	ध. दि. १२।४४	२७	११	अशून्यशयन व्रत, श्रावणमे साग वर्जित ।
शनि	२	५१।२३	१।४७	उ.षा.	०५।४१	मकर	२८	१२	॥०॥❖मघुश्रावणी पूजारम्भ ।
रवि	३	४९।१९	१।५८	श्र.	०६।२३	म. रा. ७।३५	२९	१३	भदवारंभ दि. ७।४७ उ. ।
सोम	४	४६।११	११।४२	ध.	०५।२३	कुम्भ	३०	१४	श्री विनायक ४ व्रत, श्रा० सोमवारी व्रत ।
मंगल	५	४२।०७	१०।०५	श.	०४।२०	कु. रा. १२।११	३१	१५	मौना पंचमी, मनसा देवी देव्युत्थान पूजन,❖
बुध	६	३७।१२	८।०७	पू.भा.	०१।५९	मीन	३२	१६	मासान्त ।♎भदवा समाप्ति रा. ३।१८ या. ।
वृह०	७	३१।३४	सं. ५।५३	रे.	५५।०७	मी. रा. ३।१८	१	१७	संक्रान्ति, इन्द्रसावर्णिमन्वादि,♎
शुक्र	८	२५।१८	दि. ३।२२	अ.	५१।०६	मेष	२	१८	मासादि, धृतियोगमान ५७।१४ ।
शनि	९	१९।३३	१।०५	भ.	४६।२४	मेष	३	१९	भ. ४६।२७ उ. ।
रवि	१०	१३।२२	१०।३७	कृ.	४२।४८	मे. प्रा. ५।२८	४	२०	पुष्येरविः ३१।५९, भ. ३।२२ या. ।
सोम	११	०७।१७	८।११	रो.	४१।०४	वृष	५	२१	कामदा ११ व्रत सभक, श्रा० सोमवारी व्रत ।
मंगल	१२	०१।३९	प्रा. ५।५६	मृ.	३७।२१	वृ. दि. ९।०६	६	२२	दूर्वादलेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत ।
बुध	१४	५२।०७	रा. २।०८	आ.	३२।५२	मिथुन	७	२३	प्रदोष १४ व्रत ।
वृह०	३०	४८।३६	१२।४३	पुन.	३०।३३	मि. दि.१२।०२	८	२४	श्रावणी अमा०, स्नान-दान, देवसावर्णिमन्वादि ।

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने	अं.	श्रावण शुक्लपक्ष जुलाई-अगस्त २०२५ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-५।१८ अस्त-६।४२
शुक्र	१	४६।०९	रा.११।४६	पु. ३०।०८	कर्क	९	२५	दोलोत्सवारंभ, सिद्धियोग रा. ११।४६ या.।
शनि	२	४४।५३	११।१५	श्ले. ३०।२२	क. रा. ५।२७	१०	२६	चन्द्रदर्शन।
रवि	३	४४।५४	११।१६	मघा ३१।५२	सिंह	११	२७	मधुश्रावणी व्रत, सिद्धियोग रा. ११।१६ या.।
सोम	४	४६।१६	११।४९	पू.फा.३४।३९	सिं. रा. १।४०	१२	२८	श्री गणेश ४ व्रत, श्रा० सोमवारी व्रत।
मंगल	५	४८।४२	१२।४९	उ.फा.३८।३५	कन्या	१३	२९	नाग पंचमी, नागपूजन।♐दोलोत्सवान्त, गृहारम्भ।
बुध	६	५२।२२	२।१७	ह. ४३।३८	कन्या	१४	३०	गृहप्रवेश,सर्वार्थसिद्धियोग रा. १०।४७ या.।
वृह०	७	५६।४६	४।०३	चि. ४९।२९	क. दि.११।५८	१५	३१	शीतला सप्तमी, श्रीशीतला पूजा, गृहप्रवेश।
शुक्र	८	६०।००	अहोरात्र	स्वा. ५५।५३	तुला	१६	१	॥०॥♎भदवारंभ दि. ३।४० उ.,♐
शनि	८	०१।४३	प्रा. ६।०४	वि. ६०।००	तु. रा. ११।४२	१७	२	सिद्धयोग प्रा. ६।०४ उ.।
रवि	९	०६।४७	दि. ८।०७	वि. ०२।२८	वृश्चिक	१८	३	आश्लेषायांरविः ३२।५३।
सोम	१०	११।२९	१०।००	अनु. ०८।४०	वृश्चिक	१९	४	श्रावणी सोमवारी व्रत, गृहप्रवेश।
मंगल	११	१५।३२	११।३८	ज्ये. १४।१५	वृ. दि.११।०७	२०	५	पुत्रदा ११ व्रत सभक, दोलोत्सवारम्भ।
बुध	१२	१८।३०	१२।४९	मूल. १९।५०	धनु	२१	६	दूर्वादलेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत, गृहप्रवेश,♦
वृह०	१३	२०।२६	१।३६	पू.षा. २२।१९	ध. रा. ११।२३	२२	७	प्रदोष १४ व्रत।♦श्रीधर द्वादशी, गृहारम्भ।
शुक्र	१४	२०।५८	१।४९	उ.षा. २४।३४	मकर	२३	८	पूर्णिमा व्रत, गृहप्रवेश, गृहारम्भ।
शनि	१५	२०।१४	१।३३	श्र. २५।३२	म. रा. ३।३७	२४	९	श्रावणी पूर्णिमा, स्नान-दान, रक्षाबंधन,♎

	तिथि			नक्षत्र		चन्द्रमा	ने	अं.	भादव कृष्णपक्ष अगस्त २०२५ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.		द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-५।२८ अस्त-६।३२
रवि	१	१८।१८	दि.१२।४७	घ.	२५।१८	कुम्भ	२५	१०	भादवमे दही वर्जित ।
सोम	२	१५।१६	११।३४	श.	२३।५८	कुम्भ	२६	११	गृहारम्भ ।♎विशालाक्षीदर्शन ।
मंगल	३	११।१६	९।५९	पू.भा.	२१।४९	कु. दि. ८।२५	२७	१२	कज्जली ३, श्री विनायक ४ व्रत, बहुला पूजा,♎
बुध	४	०६।२५	८।०४	उ.भा.	१८।४७	मीन	२८	१३	गृहारम्भ ।♐मघायांसिंहेरविः २९।१७ ।
वृह०	५	००।५९	प्रा. ५।५४	रे.	१५।१२	मी. दि.११।३५	२९	१४	हलधर षष्ठी, भदवा समाप्ति दि. ११।३५ या.।
शुक्र	७	४८।५९	रा. १।०६	अ.	११।१०	मेष	३०	१५	स्वतंत्रता दिवस ।
शनि	८	४२।४६	१०।३७	भ.	०६।५९	मे. दि. १।२३	३१	१६	श्रीकृष्ण पूजन, मासान्त ।
रवि	९	३६।४६	८।१४	कृ	०२।५०	वृष	१	१७	भाद्रमासीय रवि व्रत, श्रीकृष्णजन्माष्टमी व्रत,♍
सोम	१०	३१।०४	सं. ५।५९	मृ.	५५।२२	वृ. दि. ३।५०	२	१८	मासादि ।♍श्रीकृष्णपूजनोत्सव व्रत, संक्रान्ति,♐
मंगल	११	२५।५४	दि. ३।५६	आ.	५२।२७	मिथुन	३	१९	जया ११ व्रत सभक ।
बुध	१२	२१।३१	२।१०	पुन.	५०।२५	मि. रा. ८।०८	४	२०	कुष्माण्डेन पारणा, द्वापरयुगादि, प्रदोष १३ व्रत।
वृह०	१३	१७।५७	१२।४५	पु.	४९।१५	कर्क	५	२१	प्रदोष १४ व्रत, दुर्भर १४ व्रत, श्री भैरव पूजन।
शुक्र	१४	१५।२८	११।४६	श्ले.	४९।१२	क. रा. १।१६	६	२२	अमृतयोग दि. ११।४६ या. ।
शनि	३०	१४।०९	११।१६	मघा	५०।२०	सिंह	७	२३	भाद्री अमावास्या, स्नान-दान, कुशोत्पाटन ।

दिन	तिथि ति.	द. प.	घं. मि.	नक्षत्र	द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने गते	अं. ता.	भादव शुक्लपक्ष अगस्त-सितम्बर २०२५ ई० उदय-५।३६ अस्त-६।२४
रवि	१	१४।०७	दि.११।१५	पू.फा.	५२।४७	सिंह	८	२४	भाद्रमासीय रवि व्रत, चन्द्रदर्शन ।
सोम	२	१५।२४	११।४७	उ.फा.	५६।२८	सिं. दि. ९।०६	९	२५	॥०॥◆ श्री गणेश ४ व्रत, रुद्रसावर्णिमन्वादि ।
मंगल	३	१७।५४	१२।४८	ह.	६०।००	कन्या	१०	२६	हरितालिका (तीज) व्रत, चौठचन्द्र पूजा,◆
बुध	४	२१।२९	२।१५	ह.	०२।१६	क. रा. ७।२९	११	२७	श्री गणेश पूजारंभ ।☒भाद्रमासीय रवि व्रत,A
वृह०	५	२५।५५	४।०१	चि.	०६।५७	तुला	१२	२८	ऋषि पंचमी, सप्तर्षि पूजन ।चन्द्रग्रहण, स्पर्श-
शुक्र	६	३०।५६	सं. ६।०२	स्वा.	१३।१४	तुला	१३	२९	लोकार्क षष्ठी, श्रीसूर्य व्रत पूजन ।
शनि	७	३६।०१	रा. ८।०४	वि.	१९।४५	तु. दि. ७।०६	१४	३०	॥०॥ǁ)भा० रवि व्रत, पूर्वफल्गुन्यांरविः१९।४४।
रवि	८	४०।४८	१०।००	अनु.	२५।५६	वृश्चिक	१५	३१	दूर्वाष्टमी, श्रीराधाष्टमी, श्रीमहालक्ष्मीव्रतारम्भ,ǁ)
सोम	९	४४।५९	११।४२	ज्ये.	३१।४९	वृ. रा. ६।२६	१६	१	द.ति. ४४।५९ उ. ।Aचन्द्रग्रहण, स्पर्श-रा.११।००,B
मंगल	१०	४८।०४	१२।५७	मूल.	३६।४०	धनु	१७	२	द.ति. ४८।०४ या. ।Bमोक्ष-१२।२५ ।
बुध	११	५०।०५	१।४६	पू.षा.	४०।२६	ध. रा. ८।०१	१८	३	कर्माधर्मा ११ व्रत सभक ।
वृह०	१२	५०।४६	२।०२	उ.षा.	४२।५७	मकर	१९	४	कुष्माण्डेन पारणा, श्रीइन्द्रपूजारम्भ, श्रीवामनावतार।
शुक्र	१३	५०।१०	१।४९	श्र.	४४।११	म. दि. ११।२६	२०	५	प्रदोष १३ व्रत, भद्वारम्भ रा. ११।२५ उ. ।
शनि	१४	४८।२२	१।०७	ध.	४४।१५	कुम्भ	२१	६	प्रदोष १४ व्रत, श्रीअनन्तडोरक बन्धन ।
रवि	१५	४५।२५	११।५७	श.	४३।०६	कुम्भ	२२	७	भाद्री पूर्णिमा, स्नान-दान, अगस्त्यार्घदान,☒

	तिथि				नक्षत्र		चन्द्रमा	ने	अं.	आश्विन कृष्णपक्ष सितम्बर २०२५ ई०
दिन	ति.	द. प.		घं. मि.		द. प.	घं. मि.	गते	तां.	उदय-५।४८ अस्त-६।१२
सोम	१	४१।३१	रा.	१०।२४	पू.भा.	४१।०७	कु. दि. ४।२६	२३	८	महालयारंभ, पितृपक्षीयतर्पणारंभ ।
मंगल	२	३६।४६		८।३०	उ.भा.	३८।१६	मीन	२४	९	अमृतयोग रा. ८।३० या. ।
बुध	३	३१।२६	सं.	६।२३	रे.	३४।४५	मी. रा. ७।४३	२५	१०	श्री एकदन्त ४ व्रत, भदवा समा. रा. ७।४३ या.,◆
वृह०	४	२५।३५	दि.	४।०४	अ.	३०।५०	मेष	२६	११	सर्वार्थसिद्धियोग सं. ६।१० या. ।
शुक्र	५	१९।४३		१।४४	भ.	२६।४१	मे. रा. १०।०६	२७	१२	॥०॥☒श्रीमहालक्ष्मी व्रत, भाद्रमासीय रवि व्रत,❖
शनि	६	१३।२४		११।१४	कृ.	२२।२८	वृष	२८	१३	ओठगन ।❖उत्तरफल्गुन्यांरविः १०।०८ ।
रवि	७	०७।२६		८।५०	रो.	१८।२३	वृ. रा.१२।३०	२९	१४	श्री जिमूतवाहन (जितिया) व्रत,☒
सोम	८	०१।४७		६।३६	मृ.	१४।४६	मिथुन	३०	१५	श्री जिमूतवाहन व्रतक पारणा, मातृनवमी ।
मंगल	१०	५२।१८	रा.	२।४९	आ.	११।४२	मि. रा. ३।५५	३१	१६	मासान्त ।◆श्री इन्द्रपूजा विसर्जन ।
बुध	११	४८।४५		१।२५	पुन.	०९।२८	कर्क	१	१७	इन्दिरा ११ व्रत सभक, श्री विश्वकर्मा पूजा,♍
वृह०	१२	४६।१७		१२।२७	पु.	०८।०१	कर्क	२	१८	गुड़ेन पारणा, मासादि ।♍संक्रान्ति ।
शुक्र	१३	४५।००		११।५६	श्ले.	०७।४०	क. दि. ९।००	३	१९	प्रदोष १३ व्रत, भ. ४५।०० उ. ।
शनि	१४	४४।५७		११।५६	मघा	०८।१५	सिंह	४	२०	प्रदोष १४ व्रत, भ. १४।५९ या. ।
रवि	३०	४६।१४		१२।२८	पू.फा.	१०।३७	सिं. दि. ४।३३	५	२१	आश्विनी अमा०, स्नान-दान, पितृपक्ष समाप्ति ।

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने	अं.	आश्विन शुक्लपक्ष सितम्बर-अक्टू० २०२५ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-५।५८ अस्त-६।०२
सोम	१	४८।४६	रा. १।२८	उ.फा.१४।०२	कन्या	६	२२	शारदीय नवरात्रारम्भ, कलशस्थापन ।
मंगल	२	५२।२६	२।५७	ह. २०।३६	क. रा. २।५६	७	२३	श्री रेमन्त पूजा, चन्द्रदर्शन ।
बुध	३	५६।५७	४।४७	चि. २४।०१	तुला	८	२४	॥०॥
वृह०	४	६०।००	अहोरात्र	स्वा. ३०।११	तुला	९	२५	श्री गणेश ४ व्रत, भ. २९।२९ उ. ।
शुक्र	४	०२।०१	दि. ६।५०	वि. ३६।४३	तु. दि. २।२८	१०	२६	भ. २।०१ या. ।
शनि	५	०७।१३	८।५५	अनु. ४३।०८	वृश्चिक	११	२७	हस्तेरविः ४१।४५ ।
रवि	६	१२।०७	१०।५४	ज्ये. ४९।०४	वृ. रा. १।४१	१२	२८	गजपूजा, बेलनौती ।⊠भदवारम्भ दि. ७।१० उ. ।
सोम	७	१६।२०	१२।३६	मूल. ५४।११	धनु	१३	२९	पत्रिका प्रवेश, निशा पूजा ।
मंगल	८	१९।३४	१।५५	पू.षा.५८।११	धनु	१४	३०	महाष्टमी व्रत, दीक्षा ग्रहण ।
बुध	९	२१।४१	२।४६	उ.षा.६०।००	ध. दि.११।३९	१५	१	महानवमी व्रत, त्रिशूलिनी पूजा ।♎जयंती धारण।
वृह०	१०	२२।२९	३।०६	उ.षा.०१।०२	मकर	१६	२	विजया दशमी, अपराजिता पूजा, देवी विसर्जन,♎
शुक्र	११	२१।५७	२।५४	श्र. ०२।३७	म. रा. ७।१४	१७	३	पाशांकुशा ११ व्रत सभक,⊠
शनि	१२	२०।१५	२।१४	ध. ०२।५७	कुम्भ.	१८	४	श्री पद्मनाभ १२, गुड़ेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत।
रवि	१३	१७।२५	१।०७	श. ०२।०७	कु. रा.१२।२७	१९	५	प्रदोष १४ व्रत । |||)स्नान-दान ।
सोम	१४	१३।३६	११।३६	पू.भा.००।१८	मीन	२०	६	पूर्णिमा व्रत, कोजागरा, श्रीलक्ष्मी पूजन ।
मंगल	१५	०८।५७	९।४५	रे. ५४।१५	मी. रा. ३।५२	२१	७	आश्विनी पूर्णिमा, भदवा समा. रा. ३।५२ या.,|||)

दिन	तिथि ति.	द. प.	घं. मि.	नक्षत्र	द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने गते	अं. ता.	कार्तिक कृष्णपक्ष अक्टूबर २०२५ ई० उदय-६।११ अस्त-५।४९
बुध	१	०३।४०	दि. ७।३९	अ.	५०।१५	मेष	२२	८	कार्तिके यमुनास्नान लाभप्रद।
वृह०	३	५१।५८	रा. २।५९	भ.	४६।१८	मेष	२३	९	भ. २८।२५ उ. ५१।५८ या.।
शुक्र	४	४६।०४	१२।३९	कृ.	४३।०४	मे. प्रा. ६।२५	२४	१०	करक तृतिया, श्रीकृष्णपिंग ४ व्रत।
शनि	५	४०।००	१०।१४	रो.	३७।५९	वृष	२५	११	चित्रायांरविः १२।२६।
रवि	६	३४।१४	७।५६	मृ.	३४।१४	वृ. दि. ८।४०	२६	१२	अशोकचन्दन षष्ठी व्रत, भ. ३४।१४ उ.।
सोम	७	२९।२९	सं. ६।०३	आ.	३१।२०	मिथुन	२७	१३	भ. ०१।५२ या. ।♍प्रदोष १३ व्रत, संक्रान्ति
मंगल	८	२५।०५	दि. ४।१८	पुन.	२८।३३	मि. दि.११।५८	२८	१४	सिद्धियोग दि. ४।१८ या.।
बुध	९	२१।३६	२।५५	पु.	२६।५३	कर्क	२९	१५	भ. ५०।२४ उ. ।♎हनुमद्ध्वजदान पूजन।
वृह०	१०	१९।१२	१।५९	श्ले.	२६।१७	क. दि. ४।४९	३०	१६	भ. १९।१२ या. ।❖श्री काली पूजा।
शुक्र	११	१७।५७	१।२९	मघा	२६।५४	सिंह	३१	१७	रम्भा ११ व्रत सभक, मासान्त।
शनि	१२	१८।०२	१।३२	पू.फा.	२८।४१	सिं. रा.१२।०५	१	१८	गोवत्स १२, तुलसीदलेन पारणा, धनतेरस,♍
रवि	१३	१९।२४	२।०६	उ.फा.	३१।४७	कन्या	२	१९	प्रदोष १४ व्रत, हनुमज्जन्मोत्सव, मासादि,♎
सोम	१४	२२।५९	३।०८	ह.	३६।००	कन्या	३	२०	सोमवती अमावास्या, दीपावली, उल्का भ्रमण,❖
मंगल	३०	२५।४०	४।३७	चि.	४१।१७	क. रा. ९।४८	४	२१	कार्तिकी अमावास्या, स्नान-दान, भौमवती अमा.

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने	अं.	कार्तिक शुक्लपक्ष अक्टू०-नवम्बर २०२५ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-६।२२ अस्त-५।३८
बुध	१	३०।१८	रा. ६।२१	स्वा. ४७।४२	तुला	५	२२	गो पूजा, गो क्रीड़ा, गोवर्धन पूजा, अन्नकूट ।
वृह०	२	३५।२७	८।३४	वि. ५३।४६	तु. रा. ९।२०	६	२३	भ्रातृद्वितीया, श्री चित्रगुप्त पूजा ।✥गृहप्रवेश ।
शुक्र	३	४०।४६	१०।४२	अनु. ६०।००	वृश्चिक	७	२४	कट्टुमहुली तृतीया, माछमरुवावर्जित,♐
शनि	४	४५।४३	१२।४१	अनु. ००।१६	वृश्चिक	८	२५	श्री गणेश ४ व्रत, नहाय-खाय, अरबा-अरबाइन।
रवि	५	५०।०३	२।२६	ज्ये. ०६।११	वृ. दि. ८।५७	९	२६	छठि व्रतक खरना ।♐स्वात्यांरविः ३५।५२ ।
सोम	६	५३।२२	३।४७	मूल. ११।४०	धनु	१०	२७	छठि व्रतक सायंकालीन अर्घदान ।
मंगल	७	५५।३३	४।४०	पू.षा.१५।५८	ध. रा. ७।०९	११	२८	प्रातःकालीन अर्घदान, सामा पूजारम्भ ।
बुध	८	५६।२६	५।०२	उ.षा.१९।०४	मकर	१२	२९	गोपाष्टमी ।♎भदवारम्भ दि. २।५१ उ.।
वृह०	९	५६।००	४।५२	श्र. २०।५८	म. रा. २।५५	१३	३०	अक्षयनवमी, सतयुगादि, गंगा स्नान-दान,♎
शुक्र	१०	५४।२२	४।१३	ध. २१।३६	कुम्भ	१४	३१	जगद्धात्री विसर्जन, गृहारम्भ, गृहप्रवेश ।
शनि	११	५१।३६	३।०७	श. २१।०२	कुम्भ	१५	१	देवोत्थान ११ व्रत सभक, गृहारम्भ, गृहप्रवेश ।
रवि	१२	४७।५०	१।३८	पू.भा.१९।२४	कु. दि. ८।२५	१६	२	श्री दामोदर द्वादशी, तुलसीदलेन पारणा ।
सोम	१३	४३।१४	११।४७	उ.भा.१६।५८	मीन	१७	३	प्रदोष १३ व्रत, विद्यापति स्मृति दिवस, गृहारम्भ,✥
मंगल	१४	३८।०३	९।४४	रे. १३।४६	मी.दि.१२।०१	१८	४	प्रदोष १४ व्रत, भदवा समाप्ति दि. १२।०१ या.।
बुध	१५	३२।२०	७।२८	अ. १०।०२	मेष	१९	५	का० पूर्णिमा, गृहारम्भ, सामा विसर्जन, स्नान-दान।

दिन	तिथि ति.	द. प.	घं. मि.	नक्षत्र	द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने गते	अं. ता.	अग्रहण कृष्णपक्ष नवम्बर २०२५ ई० उदय-६।३२ अस्त-५।३८
वृह०	१	२६।२५	सं. ५।१७	भ.	०५।५८	मे. दि. १२।३०	२०	६	धान्याव्रतारम्भ, विशाखायांरविः ३२।२३ ।
शुक्र	२	२०।२५	दि. २।४३	कृ	०१।४७	वृष	२१	७	रोहिणीमानं ५७।३७, गृहारम्भ ।
शनि	३	१४।३६	१२।२४	मृ.	५३।४३	वृ. दि. ५।१२	२२	८	सौभाग्यसुंदरी ३ व्रत, श्री गजानन ४ व्रत, गृहारम्भ।
रवि	४	०९।०५	१०।१२	आ.	५०।२१	मिथुन	२३	९	अमृतयोग दि. १०।१२ उ.।
सोम	५	०४।०८	८।१४	पुन.	४७।३९	मि. रा. ७।५५	२४	१०	वीड पंचमी, मनसादेवीशयन, श्रीविषहरापूजन ।
मंगल	७	५६।३४	रा. ५।१४	पु.	४५।४८	कर्क	२५	११	भ. ४।०३ उ. ३४।२२ या. ।
बुध	८	५४।०७	४।१५	श्ले.	४५।०६	क. रा. १२।३८	२६	१२	कालभैरवाष्टमी, कालभैरवावतार ।
वृह०	९	५३।१२	३।५४	मघा	४५।१३	सिंह	२७	१३	अन्वष्टका नवमी, सिद्धियोग रा. ३।५४ उ. ।
शुक्र	१०	५३।२३	३।५८	पू.फा.	४६।४३	सिंह	२८	१४	भ. २३।०८ उ. ५३।२३ या. ।
शनि	११	५४।५३	४।३५	उ.फा.	४९।२९	सिं. दि. ७।५८	२९	१५	उत्पन्ना ११ व्रत सभक ।
रवि	१२	५७।३६	५।४१	ह.	५३।२६	कन्या	३०	१६	गोमूत्रेण पारणा, मासान्त ।
सोम	१३	६०।००	अहोरात्र	चि.	५९।२९	क. सं. ५।१४	१	१७	प्रदोष १३ व्रत, संक्रान्ति ।
मंगल	१३	०१।२४	दि. ७।१४	स्वा.	६०।००	तुला	२	१८	प्रदोष १४ व्रत, मासादि, भ. ३३।४५ उ. ।
बुध	१४	०६।०६	९।०७	स्वा.	०४।२२	तु. रा. ४।२०	३	१९	भ. ६।०६ या. । ☒ स्नान-दान, विवाह ।
वृह०	३०	११।२०	११।१४	वि.	१०।४५	वृश्चिक	४	२०	अग्रहणी अमावास्या, अनुराधायांरविः ६।२१, ☒

	तिथि				नक्षत्र		चन्द्रमा	ने	अं.	अग्रहण शुक्लपक्ष नवम्बर-दिसम्बर २०२५ ई०
दिन	ति.	द. प.		घं. मि.		द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-६।४२ अस्त-५।१८
शुक्र	१	१६।४४	दि.	१।२४	अनु.	१६।१६	वृश्चिक	५	२१	श्री हरिशो व्रत, मुंडन, विवाह, द्विरागमन।
शनि	२	२१।४७		३।२५	ज्ये.	२३।२७	वृ. दि. ४।०५	६	२२	॥०॥◆भदवारम्भ रा. १०।२४ उ.।
रवि	३	२६।१०	सं.	५।११	मूल.	२८।५९	धनु	७	२३	षा० रवि व्रतारम्भ, नवान्न पार्वण, विवाह, ❖
सोम	४	२८।२९	रा.	६।०७	पू.षा.	३३।३३	ध. रा. २।२९	८	२४	श्री गजानन ४ व्रत, विवाह, द्विरागमन।
मंगल	५	३१।४३		७।२५	उ.षा.	३७।०२	मकर	९	२५	सीताराम विवाहोत्सव।❖द्विरागमन।
बुध	६	३३।३६		८।१०	श्र.	३९।११	मकर	१०	२६	श्रीस्कन्दषष्ठी व्रत, विवाह, द्विरागमन, गृहप्रवेश, ◆
वृह०	७	३२।११		७।३६	ध.	४०।४७	म. दि. १०।४४	११	२७	विवाह, द्विरागमन, मुंडन, गृहप्रवेश, कर्णवेध।
शुक्र	८	३०।३३		६।५७	श.	३९।५०	कुम्भ	१२	२८	द्विरागमन।♎द्विरागमन, मुंडन, गृहारम्भ, गृहप्रवेश।
शनि	९	२७।४७	सं.	५।५१	पू.भा.	३८।२६	कु. दि. ४।१५	१३	२९	महानन्दानवमी व्रत।♏हरिहरक्षेत्र स्नान, गृहारम्भ।
रवि	१०	२४।०३	दि.	४।२२	उ.भा.	३६।२०	मीन	१४	३०	विवाह।☒भदवा समा. रा.-८।०१ या., कर्णवेध, ♎
सोम	११	१९।२८		२।३२	रे.	३३।१०	मी. रा. ८।०१	१५	१	मोक्षदा ११ व्रत सभक, गीता जयन्ती, विवाह, ☒
मंगल	१२	१४।१६		१२।२७	अ.	२९।३३	मेष	१६	२	गोमूत्रेण पारणा, प्रदोष १३ व्रत।
बुध	१३	०८।३८		१०।१३	भ.	२५।३२	मे. रा. १०।३४	१७	३	प्रदोष १४ व्रत, ज्येष्ठायांरविः १२।२८।
वृह०	१४	०२।४६		७।५२	कृ.	२१।२०	वृष	१८	४	अग्रहणी पूर्णिमा, स्नान-दान, विवाह, द्विरागमन, ♏

	तिथि			नक्षत्र		चन्द्रमा	ने	अं.	पौष कृष्णपक्ष दिसम्बर २०२५ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.		द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-६।४६ अस्त-५।१४
शुक्र	१	५१।०४	रा. ३।१२	रो.	१७।११	वृ. दि. १२।५१	१९	५	पौषमे कौशिकी स्नान, विवाह, द्विरागमन।
शनि	२	४५।५१	१।०७	मृ.	१३।१३	मिथुन	२०	६	शुभयोगमानं ५३।३९ ।
रवि	३	४०।४९	११।०७	आ.	०९।४३	मि. रा. ३।४७	२१	७	द्विरागमन, भ. १३।२० उ. ४०।४९ या. ।
सोम	४	३६।४५	९।२९	पुन.	०६।४८	कर्क	२२	८	श्री लम्बोदर ४ व्रत, द्विरागमन।
मंगल	५	३३।३२	८।१२	पु.	०४।४७	कर्क	२३	९	॥०॥
बुध	६	३१।२५	७।२२	श्ले.	०३।३८	क. दि. ८।१५	२४	१०	भ. ३१।२५ उ. ।
वृह०	७	३०।२९	७।००	मघा	०३।३७	सिंह	२५	११	सप्तमीमे मेघदर्शन, भ. ००।५७ या. ।
शुक्र	८	३०।४९	७।०८	पू.फा.	०४।४६	सिं. सं. ६।३६	२६	१२	अपूपाष्टकाष्टमी, अमृतयोग रा. ७।०८ उ.।
शनि	९	३२।३४	७।५०	उ.फा.	०७।१५	कन्या	२७	१३	अन्वष्टकानवमी, सिद्धियोग रा. ७।५० या.।
रवि	१०	३५।२३	८।५८	ह.	११।५८	क. रा. १२।२१	२८	१४	भ. ३।५९ उ. ३५।२३ या. ।
सोम	११	३९।१५	१०।३१	चि.	१५।४५	तुला	२९	१५	सफला ११ व्रत सभक, मासान्त।
मंगल	१२	४४।१३	१२।३०	स्वा.	२१।३१	तुला	१	१६	गोमयेन पारणा, संक्रान्ति, मूलेधनुषिरविः ३३।३९ ।
बुध	१३	४९।३४	२।४९	वि.	२७।५१	तु. दि. ११।१९	२	१७	प्रदोष १३ व्रत, मासादि।
वृह०	१४	५५।००	४।५०	अनु.	३४।२५	वृश्चिक	३	१८	प्रदोष १४ व्रत।
शुक्र	३०	६०।००	अहोरात्र	ज्ये.	४०।४३	वृ. रा. ११।०७	४	१९	पौषी अमावास्या, स्नान-दान, दशतारकारंभ।
शनि	३०	००।०३	प्रा. ६।५१	मूल.	४६।३०	धनु	५	२०	अमृतयोग प्रा. ६।०५ उ. ।

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने	अं.	पौष शुक्लपक्ष दिसम्बर-जनवरी २०२५-२६ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-६।५० अस्त-५।१०
रवि	१	०४।२४	दि. ८।३६	पू.षा.५१।२३	धनु	६	२१	चन्द्रदर्शन, द. ति. ४।२४ उ. ।
सोम	२	०७।३९	९।५४	उ.षा.५५।१०	ध. दि. ९।४६	७	२२	द. ति. ७।३९ या. ।◆पूर्वाषाढ़ेरविः २२।३२।
मंगल	३	०९।५२	१०।४७	श्र. ५७।४१	मकर	८	२३	श्री गणेश ४ व्रत, भदवारम्भ रा. ५।५४ उ. ।
बुध	४	१०।४०	११।०६	ध. ५८।५४	म. सं. ६।०९	९	२४	॥०॥
वृह०	५	१०।१०	१०।५४	श. ५८।५७	कुम्भ	१०	२५	क्रिसमस डे (बड़ा दिन) ।
शुक्र	६	०८।२८	१०।१३	पू.भा.५७।४९	कु. रा.१२।०४	११	२६	सिद्धियोग दि. १०।१३ या. ।
शनि	७	०५।४०	९।०६	उ.भा.५५।५१	मीन	१२	२७	गुरुगोविन्द सिंह जयन्ती ।
रवि	८	०१।५५	७।३६	रे. ५३।०२	मी. रा. ४।०३	१३	२८	भदवा समाप्ति रा. ४।०३ या. ।
सोम	१०	५२।०६	रा. ३।४०	अ. ४९।३२	मेष	१४	२९	विश्वकर्मार्चा, कर्मदशमी, दशतारकान्त,◆
मंगल	११	४६।२८	१।२५	भ. ४५।३६	मे. प्रा. ६।४०	१५	३०	पुत्रदा ११ व्रत सभक, धर्मसावर्णिमन्वादि ।
बुध	१२	४०।३६	११।०४	कृ. ४१।२८	वृष	१६	३१	गोमयेन पारणा, नारायण १२ ।
वृह०	१३	३४।४३	८।४२	रो. ३७।१९	वृष	१७	१	जनवरी २०२६ ई० आरम्भ, प्रदोष १३ व्रत ।
शुक्र	१४	२८।५९	सं. ६।२४	मृ. ३३।१८	वृ. दि. ८।५६	१८	२	प्रदोष १४ व्रत ।☒माघस्नानारम्भ ।
शनि	१५	२३।३९	दि. ४।१६	आ. २९।४४	मिथुन	१९	३	पौषी पूर्णिमा, स्नान-दान, कौशिकी स्नान,☒

माघ कृष्णपक्ष जनवरी २०२६ ई०

उदय-६।४८ अस्त-५।१२

दिन	तिथि ति.	तिथि द. प.	तिथि घं. मि.	नक्षत्र	नक्षत्र द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने गते	अं. ता.	
रवि	१	१९।५१	दि. २।४४	पुन.	२६।४१	मि. दि.११।४६	२०	४	द. ति. १९।५१ उ., माघमे कमलास्नान ।
सोम	२	१४।५९	१२।४७	पु.	२४।३१	कर्क	२१	५	द. ति. १४।५९ या., भ. ४३।२३ उ. ।
मंगल	३	११।४७	११।३०	श्ले.	२३।१०	क. रा. ४।०४	२२	६	श्रीभालचन्द्र ४ व्रत, भ. ११।४७ या. ।
बुध	४	०९।४७	१०।४२	मघा	२२।५३	सिंह	२३	७	॥०॥☒संक्रान्ति, माघ स्नानारम्भ ।
वृह०	५	०८।५६	१०।२१	पू.फा.	२३।४८	सिं. रा.१०।३१	२४	८	सिद्धियोग दि. १०।२१ या. ।
शुक्र	६	०९।२५	१०।३२	उ.फा.	२६।०१	कन्या	२५	९	भ. ९।२५ उ. ४०।२१ या. ।
शनि	७	११।१७	११।१७	ह.	२९।२९	कन्या	२६	१०	अपूपाष्टकाष्टमी ।
रवि	८	१४।१४	१२।२७	चि.	३४।०४	क. दि. ७।१६	२७	११	अन्वष्टकानवमी, उत्तराषाढ़ेरविः २०।२२ ।
सोम	९	१८।२१	२।०६	स्वा.	३९।३६	तुला	२८	१२	भ. ५०।४८ उ. ।
मंगल	१०	२३।१४	४।०४	वि.	४५।५१	तु. रा. ६।२८	२९	१३	मासान्त, भ. २३।१४ या. ।
बुध	११	२८।३८	६।१३	अनु.	५२।२८	वृश्चिक	१	१४	षटतिला ११ व्रत सभक, तिल संक्रान्ति, ☒
वृह०	१२	३४।०४	रा. ८।२३	ज्ये.	५८।५४	वृ. प्रा. ६।११	२	१५	गोदुग्धेन पारणा, मासादि ।
शुक्र	१३	४०।०६	१०।४६	मूल.	६०।००	धनु	३	१६	प्रदोष १३ व्रत, अमृतयोग रा. १०।४६ उ. ।
शनि	१४	४३।२४	१२।०६	मूल.	०४।४९	धनु	४	१७	प्रदोष १४ व्रत, नक्त व्रत, नरकनिवारण १४ व्रत।
रवि	३०	४६।३५	१।२२	पू.षा.	०९।५६	ध. सं. ५।२५	५	१८	माघी मौनी अमावास्या ।

दिन	तिथि ति.	द. प.	घं. मि.	नक्षत्र	द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने गते	अं. ता.	माघ शुक्लपक्ष जनवरी-फरवरी २०२६ ई० उदय-६।४३ अस्त-५।१७
सोम	१	४८।४२	रा. २।१२	उ.षा.	१३।५९	मकर	६	१९	शिविर नवरात्रारम्भ, कलशस्थापन ।
मंगल	२	४९।२४	२।२९	श्र.	१६।४८	म. रा. १।४५	७	२०	श्री रेमन्त पूजा, भद्वारम्भ दि. १।२६ उ. ।
बुध	३	४८।५०	२।१४	ध.	१८।२२	कुम्भ	८	२१	बदरी ३, मुंडन, कर्णवेध ।☒निशा पूजा ।
वृह०	४	४७।०१	१।३०	श.	१८।४२	कुम्भ	९	२२	श्री गणेश ४ व्रत ।♍महाष्टमी व्रत ।
शुक्र	५	४४।०९	१२।२२	पू.भा.	१७।३३	कु. दि. ७।५०	१०	२३	बसंत पंचमी, सरस्वती पूजा, मुंडन, कर्णवेध ।
शनि	६	४०।२०	१०।४९	उ.भा.	१६।०४	मीन	११	२४	श्रवणयांरविः २३।२५ ।
रवि	७	३५।३९	८।५६	रे.	१३।२५	मी. दि.१२।०२	१२	२५	अचला सप्तमी, भद्वा समा. दि. १२।०२ या.,☒
सोम	८	३०।२५	६।४९	अ.	१०।०५	मेष	१३	२६	गणतंत्र दिवस, भीष्माष्टमी, श्री भीष्म तर्पण,♍
मंगल	९	२४।४६	दि. ४।३२	भ.	०६।१७	मे. दि. २।४४	१४	२७	महानवमी व्रत ।❖गृहारम्भ, गृहप्रवेश, कर्णवेध ।
बुध	१०	१८।५३	२।११	कृ.	०२।११	वृष	१५	२८	विजया दशमी, देवी विसर्जन, मुंडन, गृहप्रवेश ।
वृह०	११	१३।०१	११।४९	मृ.	५३।५६	वृ. दि. ५।१३	१६	२९	भौमी ११ व्रत सभक, उपनयन, विवाह, मुंडन,❖
शुक्र	१२	०७।२०	९।३३	आ.	५०।१५	मिथुन	१७	३०	गोदुग्धेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत, गृहप्रवेश ।
शनि	१३	०२।०३	७।२५	पुन.	४७।००	मि.दि.१२।२७	१८	३१	प्रदोष १४ व्रत ।♎देवादि प्रतिष्ठा ।
रवि	१५	५३।२६	रा. ३।५८	पु.	४४।४१	कर्क	१९	१	माघी पूर्णिमा, स्नान-दान, पूर्णिमा व्रत,♎

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने	अं.	फाल्गुन कृष्णपक्ष फरवरी २०२६ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-६।३५ अस्त-५।२५
सोम	१	५०।२४	रा. २।४५	श्ले. ४३।०७	क. दि. ११।५०	२०	२	फाल्गुनमे बागमती स्नान।
मंगल	२	४८।२७	१।५७	मघा ४२।३५	सिंह	२१	३	अमृतयोग रा. १।५७ या.।
बुध	३	४७।४२	१।३९	पू.फा.४३।१४	सिं. रा. ५।०३	२२	४	भ. १८।१० उ. ४७।४२ या. ।
वृह०	४	४८।१०	१।४९	उ.फा.४५।१०	कन्या	२३	५	श्री हेरम्ब ४ व्रत, विवाह।❖माघस्नान समाप्ति।
शुक्र	५	५०।१४	२।३९	ह. ४८।२२	कन्या	२४	६	घनिष्ठायांरविः ३९।०४, विवाह, मुंडन, कर्णवेध।
शनि	६	५३।१६	३।४९	चि. ५२।४२	क. दि. २।४५	२५	७	भ. ५३।१६ उ., अमृतयोग रा. ३।४९ उ.।
रवि	७	५७।२६	५।२९	स्वा. ५८।०८	तुला	२६	८	विवाह, भ. २५।२१ या.।
सोम	८	६०।००	अहोरात्र	वि. ६०।००	तु. रा. १।३४	२७	९	शकाष्टकाष्टमी।♎नक्त व्रत।
मंगल	८	०२।२०	दि. ७।२६	वि. ०४।१५	वृश्चिक	२८	१०	अन्वष्टकानवमी, सिद्धियांग दि. ७।२६ या.।
बुध	९	०७।४४	९।३५	अनु. १०।४८	वृश्चिक	२९	११	भ. ४०।२६ उ.।
वृह०	१०	१३।०८	११।४३	ज्ये. १७।१८	वृ. दि. १।२३	३०	१२	मासान्त, भ. १३।०८ या.।
शुक्र	११	१८।०६	१।४२	मूल. २३।२६	धनु	१	१३	विजया ११ व्रत सभक, संक्रान्ति,❖
शनि	१२	२२।१७	३।२२	पू.षा.२८।४७	ध. रा. १२।२३	२	१४	गोद्ध्ना पारणा, प्रदोष १३ व्रत, मासादि।
रवि	१३	२५।२१	४।३४	उ.षा.३३।०२	मकर	३	१५	प्रदोष १४ व्रत, विवाह, महाशिवरात्रि व्रत,♎
सोम	१४	२७।१९	५।२२	श्र. ३६।०१	मकर	४	१६	सोमवती अमावास्या, भदवारम्भ रा. ८।५० उ.।
मंगल	३०	२७।५४	५।३५	ध. ३८।०४	म. दि. ९।०२	५	१७	फाल्गुनी भौमवती अमावास्या, स्नान-दान।

	तिथि			नक्षत्र		चन्द्रमा	ने	अं.	फाल्गुन शुक्लपक्ष फरवरी-मार्च २०२६ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.		द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-६।२४ अस्त-५।३६
बुध	१	२७।१२	दि. ५।१७	श.	३८।४१	कुम्भ	६	१८	कल्याणेश्वर जनकपुर परिक्रमारम्भ , द्विरागमन।
वृह०	२	२५।२५	४।३४	पू.भा.	३८।०७	कु. दि. ३।४२	७	१९	विवाह, द्विरागमन, शतभिषायांरविः ३८।५९ ।
शुक्र	३	२२।१४	३।१७	उ.भा.	३६।३०	मीन	८	२०	श्री वैनायकी ४ व्रत, विवाह, द्विरागमन, मुंडन,◆
शनि	४	१८।१९	१।४२	रे.	३४।०३	मी. रा. ७।५९	९	२१	भदवा समाप्ति रा. ७।५९ या. ।◆कर्णवेध ।
रवि	५	१३।३२	११।४७	अ.	३०।५०	मेष	१०	२२	उपनयन, विवाह, द्विरागमन, देवादि प्रतिष्ठा ।
सोम	६	०८।१३	९।३८	भ.	२७।०८	मे. रा. १०।४७	११	२३	।।०।।❖क० जनकपुरपरिक्रमा समा., स्नान-दान,।।।
मंगल	७	०२।३१	७।२०	कृ.	२३।०४	वृष	१२	२४	।।०।।☒मुंडन, गृहारम्भ, गृहप्रवेश, कर्णवेध ।
बुध	९	५०।४१	रा. २।३५	रो.	१८।५५	वृ. रा. १।०३	१३	२५	विवाह, द्विरागमन, गृहप्रवेश । ।।। सूर्यग्रहण ।
वृह०	१०	४५।०२	१२।१९	मृ.	१४।४९	मिथुन	१४	२६	उपनयन, विवाह, द्विरागमन, मुंडन, गृहप्रवेश ।
शुक्र	११	३९।४४	१०।१२	आ.	११।०२	मि. रा. २।३१	१५	२७	आमलकी ११ व्रत सभक, उपनयन, द्विरागमन,☒
शनि	१२	३५।०१	८।१७	पुन.	०७।४५	कर्क	१६	२८	गोद्ध्वा पा०, श्रीगोविन्द १२, गृहारम्भ, गृहप्रवेश,।।।
रवि	१३	३१।०८	६।४३	पु.	०४।१०	कर्क	१७	१	प्रदोष १३ व्रत, प्रदोष १४ व्रत, द्विरागमन ।
सोम	१४	२८।१२	दि. ५।३२	श्ले.	०३।२५	क. दि. ७।३७	१८	२	होलिकादहन, पूर्णिमा व्रत ।।।।श्रीजगन्नाथ दर्शन।
मंगल	१५	२६।१८	४।४५	मघा	०२।४२	सिंह	१९	३	फाल्गुनी पूर्णिमा, सिन्दूरार्पण (पातरिदान),❖

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने	अं.	चैत्र कृष्णपक्ष मार्च २०२६ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-६।१४ अस्त-५।४६
बुध	१	२५।३५	दि. ४।२८	पू.फा. ०३।०६	सिं. दि. १।३८	२०	४	होली, सचैल स्नान, सप्ताडोरक बंधन, विवाह,।।।♍
वृह०	२	२६।१०	४।४१	उ.फा. ०४।४८	कन्या	२१	५	द्विरागमन, मुंडन, गृहारम्भ, कर्णवेध ।
शुक्र	३	२७।५५	सं. ५।२२	ह. ०७।४३	क. रा. १०।०६	२२	६	द्विरागमन, मुंडन, गृहारम्भ, कर्णवेध ।
शनि	४	३१।११	रा. ६।३९	चि. ११।४८	तुला	२३	७	श्री विकट ४ व्रत ।।।♍द्विरागमन, गृहारम्भ,◆
रवि	५	३५।२१	८।२८	स्वा. १७।०३	तु. रा. ४।४६	२४	८	द्विरागमन ।◆पूर्वभाद्रेरविः ५३।५४ ।
सोम	६	४०।१३	१०।१४	वि. २३।०२	वृश्चिक	२५	९	विवाह, भ. ४०।१३ उ. ।
मंगल	७	४५।३६	१२।२३	अनु. २९।३१	वृश्चिक	२६	१०	भ. १२।५५ या. ।
बुध	८	५०।५१	२।२८	ज्ये. ३६।०५	वृ. रा. ८।३४	२७	११	शीतलाष्टमी, विवाह ।
वृह०	९	५५।४०	४।२३	मूल. ४२।१९	धनु	२८	१२	सिद्धियोग रा. ४।२३ उ. ।
शुक्र	१०	५९।४४	६।००	पू.षा. ४७।५१	धनु	२९	१३	विवाह, भ. २७।४२ उ. ५९।४४ या. ।
शनि	११	६०।००	अहोरात्र	उ.षा. ५२।२३	ध. दि. ७।४२	३०	१४	मासान्त ।❖भदवारम्भ रा. ४।२४ उ. ।
रवि	११	०२।३८	दि. ७।०८	श्र. ५५।४८	मकर	१	१५	पापमोचिनी ११ व्रत सभक, संक्रान्ति,❖
सोम	१२	०४।२७	७।५०	ध. ५७।५५	म. दि. ४।४८	२	१६	गोघृतेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत, मासादि ।
मंगल	१३	०४।५४	८।०१	श. ५८।४८	कुम्भ	३	१७	प्रदोष १४ व्रत, वारुणी योग ।
बुध	१४	०४।०६	७।४०	पू.भा. ५८।३०	कु. रा. ११।२८	४	१८	उत्तरभाद्रेरविः १४।३५ ।
वृह०	३०	०२।०२	६।५१	उ.भा. ५७।०३	मीन	५	१९	चैत्री अमावास्या, स्नान-दान, वासंती नवरात्रारंभ।

	तिथि			नक्षत्र		चन्द्रमा	ने	अं.	चैत्र शुक्लपक्ष मार्च-अप्रैल २०२६ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.		द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-६।०१ अस्त-५।५९
शुक्र	२	५४।४९	रा. ३।५८	रे.	५४।५२	मी. रा. ३।५८	६	२०	रेमन्त पूजा, भदवा समाप्ति रा. ३।५८ या. ।
शनि	३	४९।५७	१।५९	अ.	५१।४७	मेष	७	२१	श्री गौरी ३ व्रत, सिद्धियोग रा. १।५९ उ. ।
रवि	४	४४।३१	११।४८	भ.	४८।१०	मेष	८	२२	श्री गणेश ४ व्रत ।
सोम	५	३८।४१	९।२७	कृ.	४४।१२	मे. दि. ६।५३	९	२३	छठि व्रतक खरना, मीनावतार ।☒जयंती धारण।
मंगल	६	३२।४६	७।०४	रो.	४०।०३	वृष	१०	२४	बेलनौती, छठि व्रतक सायंकालीक अर्घदान ।
बुध	७	२६।४५	दि. ४।३९	मृ.	३६।००	वृ. दि. ९।०९	११	२५	प्रातःकालीन अर्घदान, पत्रिका प्रवेश, निशा पूजा।
वृह०	८	२१।००	२।२०	आ.	३०।०८	मिथुन	१२	२६	महाष्टमी व्रत।❖रामनवमी, उपनयन (क्ष०वै०)।
शुक्र	९	१५।३९	१२।१२	पुन.	२८।४०	मि.दि.११।३३	१३	२७	महानवमी व्रत, त्रिशूलिनी व्रत, हनुमद्ध्वजदान,❖
शनि	१०	१०।५६	१०।१७	पु.	२५।५७	कर्क	१४	२८	विजया दशमी, अपराजिता पूजा, देवी विसर्जन,☒
रवि	११	०६।५८	८।४१	श्ले.	२४।०४	क. दि. ३।३२	१५	२९	कामदा ११ व्रत सभक, उपनयन ।
सोम	१२	०४।०१	७।२९	मघा	२३।०३	सिंह	१६	३०	श्री विष्णु १२, गोघृतेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत।
मंगल	१३	०२।०६	६।४२	पू.फा.	२३।१३	सिं. रा. ९।१६	१७	३१	प्रदोष १४ व्रत, रेवत्यांरविः ४२।५२ ।
बुध	१४	०१।२४	६।२६	उ.फा.	२४।३६	कन्या	१८	१	पूर्णिमा व्रत, भ. १।२४ उ. ३१।४२ या. ।
वृह०	१५	०१।५९	६।३९	ह.	२७।१६	क. प्रा. ५।३२	१९	२	चैत्री पूर्णिमा, स्नान-दान, हनुमज्ज जयंती ।

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने	अं.	वैशाख कृष्णपक्ष अप्रैल २०२६ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-५।५० अस्त-६।१०
शुक्र	१	०३।५८	दि. ७।२५	चि. ३१।०८	तुला	२०	३	वैशाखे कौशिकी स्नान ।
शनि	२	०६।५७	८।३६	स्वा. ३५।३८	तुला	२१	४	भ. ३९।०१ उ. ।
रवि	३	११।०४	१०।१४	वि. ४१।५८	तु. दि. ३।५७	२२	५	श्री वक्रतुण्ड ४ व्रत, भ. ११।०१ या. ।
सोम	४	१५।५५	१२।१०	अनु. ४८।२५	वृश्चिक	२३	६	अमृतयोग दि. १२।१० उ. ।
मंगल	५	२११०४	२।१३	ज्ये. ५५।३०	वृ. रा. ३।५९	२४	७	मृत्युयोग दि. २।१३ उ. ।
बुध	६	२६।२०	४।१८	मूल. ६०।००	धनु.	२५	८	भ. २६।२० उ. ५८।०४ या. ।
वृह०	७	३१।००	६।०१	मूल. ०१।२१	धनु	२६	९	शर्करा सप्तमी ।
शुक्र	८	३४।५७	रा. ७।४३	पू.षा.०७।०२	ध. दि. ३।००	२७	१०	अमृतयोग रा. ७।४३ उ. ।
शनि	९	३७।४४	८।५०	उ.षा.११।४८	मकर	२८	११	सिद्धियोग रा. ८।५० या. ।
रवि	१०	३९।२४	९।२९	श्र. १५।२९	म. रा. १२।१६	२९	१२	भदवारम्भ दि. ११।५५ उ. ।
सोम	११	३९।५१	९।३८	ध. १७।१६	कुम्भ	३०	१३	वरुथिनी ११ व्रत सभक, मासान्त ।[X]संक्रान्ति
मंगल	१२	३८।५३	९।१४	श. १९।००	कुम्भ	१	१४	कुशोदकेन पारणा, आश्विन्यांमेषेरविः १६।३५,[X]
बुध	१३	३६।४१	८।२०	पू.भा.१८।५७	कु. दि. ७।१५	२	१५	प्रदोष १३ व्रत, जूड़िशीतल, मासादि ।
वृह०	१४	३३।२५	७।०२	उ.भा.१७।४४	मीन	३	१६	प्रदोष १४ व्रत।♎भदवा समा. दि. ११।५७ या.।
शुक्र	३०	२९।१७	दि. ५।२२	रे. १५।४५	मी. दि.११।५७	४	१७	वैशाखी अमावास्या, गंगा स्नान-दान, विवाह,♎

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने	अं.	वैशाख शुक्लपक्ष अप्रैल-मई २०२६ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-५।३८ अस्त-६।२२
शनि	१	२४।१७	दि. ३।२१	अ. १२।४८	मेष	५	१८	श्री शिवाजी जयंती ।
रवि	२	१८।४८	१।०८	भ. ०९।१८	मे. दि. २।५७	६	१९	॥०॥☒परशुरामजयंती, विवाह, द्विरागमन, मुंडन।
सोम	३	१२।५१	१०।४४	कृ. ०५।२४	वृष	७	२०	अक्षय तृतीया, त्रेतायुगादि, श्री गणेश ४ व्रत,☒
मंगल	४	०६।४९	८।२०	रो. ०१।१४	वृ. दि. ५।३१	८	२१	उपनयन (छ०) ।♎विवाह, द्विरागमन, गृहप्रवेश ।
बुध	५	००।४७	५।५४	आ. ५३।११	मिथुन	९	२२	॥०॥♍श्री बुद्ध जयंती, स्नान-दान, गृहारम्भ ।
वृह०	७	४९।३५	रा. १।२४	पुन. ४९।४२	मि. रा. ७।४८	१०	२३	जाह्नवी सप्तमी, द्विरागमन, मुंडन, गृहप्रवेश ।
शुक्र	८	४४।४६	११।२८	पु. ४६।४६	कर्क	११	२४	द्विरागमन ।❖गृहप्रवेश, उपनयन ।
शनि	९	४०।४७	९।५२	श्ले. ४४।४४	क. रा. ११।२७	१२	२५	जानकी ९ व्रत, मैथिली दिवस, श्रीहनुमद्ध्वजदान।
रवि	१०	३७।४७	८।३१	मघा ४३।३३	सिंह	१३	२६	जानकी ९ व्रतक पारणा, षा. रवि व्रत समाप्ति,♐
सोम	११	३५।४८	७।५१	पू.फा.४३।२७	सिं. रा. ४।५५	१४	२७	विजया ११ व्रत सभक, भरण्यांरविः ५७।०३,❖
मंगल	१२	३४।५६	७।२१	उ.फा.४४।३२	कन्या	१५	२८	कुशोदकेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत ।♐विवाह ।
बुध	१३	३५।२५	७।४०	ह. ४६।५२	कन्या	१६	२९	मुंडन, गृहप्रवेश, कर्णवेध, देवादि प्रतिष्ठा ।
वृह०	१४	३७।११	८।२६	चि. ५०।३६	क. दि. १।००	१७	३०	प्रदोष १४ व्रत, नरसिंह १४ व्रत, नरसिंहावतार,♎
शुक्र	१५	४०।१३	९।३५	स्वा. ५५।२५	तुला	१८	१	वैशाखी पूर्णिमा, विवाह, पूर्णिमा व्रत, द्विरागमन,♍

दिन	तिथि ति.	द. प.	घं. मि.	नक्षत्र	द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने गते	अं. ता.	प्र० ज्येष्ठ कृष्णपक्ष मई २०२६ ई० उदय-५।२९ अस्त-६।३१
शनि	१	४४।२६	रा.११।११	वि.	६०।००	तु. रा. ११।२१	१९	२	ज्येष्ठेमासेवृतान्तकं त्यजेत् ।
रवि	२	४९।००	१।०४	वि.	०१।०४	वृश्चिक	२०	३	द्विरागमन, सिद्धियोग रा. १।०४ उ. ।
सोम	३	५४।११	३।०७	अनु	०७।२३	वृश्चिक	२१	४	द्विरागमन, मुंडन, गृहारम्भ, कर्णवेध ।
मंगल	४	५९।१७	प्रा. ५।०९	ज्ये.	१३।५८	वृ. दि. ११।०१	२२	५	श्री गणेश ४ व्रत ।
बुध	५	६०।००	अहोरात्र	मूल.	२०।२६	धनु	२३	६	विवाह, गृहारम्भ, द्विरागमन ।
वृह०	५	०३।५६	दि. ७।००	पू.षा.	२६।१७	ध. रा. १०।२६	२४	७	सिद्धियोग दि. ६।४० या. ।
शुक्र	६	०७।४७	८।३२	उ.षा.	३१।१५	मकर	२५	८	भ. ७।४७ ठ. ३९।०९ या., विवाह ।
शनि	७	१०।३१	९।३६	श्रं.	३५।०६	मकर	२६	९	भदवारम्भ रा. ७।२६ उ. ।
रवि	८	१२।०८	१०।१५	ध.	३७।४९	म. दि. ७।५९	२७	१०	विवाह, सिद्धियोग दि. १०।१५ या. ।
सोम	९	१२।२३	१०।२०	श.	३९।१३	कुम्भ	२८	११	कृत्तिकायांरविः ४५।१३ ।
मंगल	१०	११।२४	९।५६	पू.भा.	३९।२५	कु. दि. ३।०७	२९	१२	॥०॥❖भदवा समाप्ति रा. ७।५९ या. ।
बुध	११	०९।११	९।०२	उ.भा.	३८।२५	मीन	३०	१३	अपरा ११ व्रत सभक, विवाह ।
वृह०	१२	०५।५१	७।४९	रे.	३६।३४	मी. रा. ७।५९	३१	१४	तिलेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत, मासान्त,❖
शुक्र	१३	०१।३८	६।००	अ.	३३।५०	मेघ	१	१५	प्रदोष १४ व्रत, संक्रान्ति ।♎स्नान-दान ।
शनि	३०	५१।००	१।४४	भ.	३०।२४	मे. रा. ११।०२	२	१६	प्र० ज्येष्ठी अमा., वटसावित्री व्रत, मासादि,♎

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने	अं.	प्र० ज्येष्ठ शुक्लपक्ष मई २०२६ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-५।१९ अस्त-६।४१
रवि	१	४५।००	रा.११।१९	कृ. २६।३४	वृष	३	१७	मृत्युयोग रा. ११।१९ या.।
सोम	२	३८।५५	८।५२	रो. २२।३१	वृ. रा. १।२८	४	१८	चन्द्रदर्शन, सर्वार्थसिद्धियोग अहोरात्र।
मंगल	३	३२।४७	सं. ६।२५	मृ. १८।२०	मिथुन	५	१९	द. ति. ३२।४७ उ.।
बुध	४	२८।५०	दि. ४।५०	आ. १४।१९	मि. रा. ३।५७	६	२०	श्री विनायक ४ व्रत, द. ति. २८।५० या.।
वृह०	५	२१।२५	१।५१	पुन. १०।४४	कर्क	७	२१	सिद्धियोग दि. १।५१ या.।
शुक्र	६	१६।२१	११।४९	पु. ०७।४१	कर्क	८	२२	सिद्धियोग दि. १४।४९ या.।
शनि	७	१२।२५	१०।१५	श्ले. ०५।२८	क. दि. ७।२८	९	२३	भ. १२।२५ उ. ४०।५२ या.।
रवि	८	०९।१८	८।५९	मघा ०४।०१	सिंह	१०	२४	सिद्धियोग दि. ८।५९ या.।
सोम	९	०७।१५	८।१०	पू.फा.०३।४०	सिं.दि.१२।४९	११	२५	रोहिण्यांरविः ३८।३५।
मंगल	१०	०६।२०	७।४८	उ.फा.०४।३२	कन्या	१२	२६	गंगा दशहरा, गंगा स्नान-दान।
बुध	११	०६।४४	७।५८	ह. ०६।३९	क. रा. ८।३७	१३	२७	कमला ११ व्रत सभक।
वृह०	१२	०८।२९	८।३९	चि. १०।०४	तुला	१४	२८	प्रदोष १३ व्रत, अमृतयोग दि. ८।३९ उ.।
शुक्र	१३	११।१९	९।४७	स्वा. १४।३६	तुला	१५	२९	प्रदोष १४ व्रत, अमृतयोग दि. ९।४७ उ.।
शनि	१४	१५।१२	११।२०	वि. २०।०६	तु. दि. ६।४४	१६	३०	भ. १५।१२ उ. ४७।३२ या.।
रवि	१५	१९।५०	१।१०	अनु. २५।२१	वृश्चिक	१७	३१	प्र० ज्येष्ठी पूर्णिमा, स्नान-दान, पूर्णिमा व्रत।

	तिथि				नक्षत्र	चन्द्रमा	ने	अं.	द्वि० ज्येष्ठ कृष्णापक्ष जुन २०२६ ई०
दिन	ति.	द. प.		घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-५।१४ अस्त-६।४६
सोम	१	२४।५६	दि.	३।१२	ज्ये. ३२।५४	वृ. सं. ६।२४	१८	१	सिद्धियोग दि. ३।०० या. ।
मंगल	२	२९।५७	सं.	५।१३	मूल. ३१।१२	धनु	१९	२	अमृतयोग सं. ५।१३ या. ।
बुध	३	३४।३०	रा.	७।०२	पू.षा.४५।२०	धनु	२०	३	भ. २।१४ उ. ३४।३० या. ।
वृह०	४	३८।११		८।३४	उ.षा.५०।३५	ध. प्रा. ५।५३	२१	४	श्री गनाधिप ४ व्रत ।
शुक्र	५	४१।०१		९।३७	श्र. ५४।३७	मकर	२२	५	भदवारम्भ रा. ३।०४ उ. ।
शनि	६	४२।४६		१०।११	ध. ५७।३८	म. दि. ३।४०	२३	६	भ. ४२।४६ उ. ।
रवि	७	४२।५०		१०।२१	श. ५९।१८	कुम्भ	२४	७	भ. १२।४८ या. ।
सोम	८	४१।५०		९।५७	पू.भा.५९।४५	कु. रा. ११।०३	२५	८	मृगशिरसि रविः ४९।१४ ।
मंगल	९	३९।३५		९।०२	उ.भा.५९।०२	मीन	२६	९	॥०॥
बुध	१०	३६।१८		७।४३	रे. ५७।१६	मी. रा. ४।०६	२७	१०	भदवा समाप्ति रा. ४।०६ या. ।
वृह०	११	३२।०५	सं.	६।०२	अ. ५४।४३	मेष	२८	११	पद्मनाभ ११ व्रत सभक ।
शुक्र	१२	२७।०२	दि.	४।०१	भ. ५१।२५	मेष	२९	१२	प्रदोष १३ व्रत, मृत्युयोग दि. ४।०१ उ. ।
शनि	१३	२१।२७		१।४७	कृ. ४७।३९	मे. दि. ७।२४	३०	१३	प्रदोष १४ व्रत ।
रवि	१४	१५।२९		११।२३	रो. ४३।३५	वृष	३१	१४	मासान्त ।
सोम	३०	०९।१७		८।५४	मृ. ३९।२४	वृ. दि. १०।२३	१	१५	द्वि. ज्येष्ठी अमावास्या, संक्रान्ति, सोमवती अमा. ।

दिन	तिथि ति.	द. प.	घं. मि.	नक्षत्र	द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने गते	अं. ता.	द्वि० ज्येष्ठ शुक्लपक्ष जुन २०२६ ई० उदय-५।१० अस्त-६।५०
मंगल	१	०३।०६	दि. ६।२४	आ.	३५।१९	मिथुन	२	१६	मासादि ।❖पंचाग्नी व्रत, कर्णवेध, देवादि प्रति०।
बुध	३	५१।३४	रा. १।४८	पुन.	३१।३६	मि.दि. १२।१०	३	१७	उपनयन (क्ष०वै०), मुंडन, रम्भा तृतीया,❖
वृह०	४	४६।३१	११।४६	पु.	२८।२५	कर्क	४	१८	श्री वक्रतुण्ड ४ व्रत ।
शुक्र	५	४२।२१	१०।०६	श्ले.	२५।५५	क. दि. ३।३२	५	१९	उपनयन, विवाह ।♐मुंडन, गृहारम्भ, गृहप्रवेश ।
शनि	६	३९।०५	८।४८	मघा	२४।१७	सिंह	६	२०	अरण्यषष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा ।
रवि	७	३६।५१	७।५४	पू.फा.	२३।४०	सिं. रा. ८।४५	७	२१	देवादि प्रतिष्ठा, भ. ३६।५१ उ. ।
सोम	८	३५।४९	७।३०	उ.फा.	२४।५६	कन्या	८	२२	आर्द्रायांरविः ४०।५९, भ. ६।२० या. ।
मंगल	९	३६।०७	७।३७	ह.	२६।०२	क. रा. ४।१२	९	२३	॥०॥♎श्री कबीर जयंती, स्नान-दान, गृहारम्भ ।
बुध	१०	३८।४५	८।४०	चि.	२९।०७	तुला	१०	२४	उपनयन, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश ।
वृह०	११	४०।२८	९।२१	स्वा.	३३।२२	तुला	११	२५	निर्जला ११ व्रत सभक, उपनयन, विवाह,♐
शुक्र	१२	४४।१८	१०।५३	वि.	३८।३९	तु. दि. २।०६	१२	२६	तिलेन पारणा, त्रिविक्रम १२, विवाह, गृहप्रवेश ।
शनि	१३	४८।४९	१२।४२	अनु.	४४।४१	वृश्चिक	१३	२७	प्रदोष १३ व्रत, गृहप्रवेश ।
रवि	१४	५३।४८	२।४१	ज्ये.	५१।११	वृ. रा. १।३८	१४	२८	प्रदोष १४ व्रत, विवाह ।
सोम	१५	५८।४७	४।४२	मूल.	५७।४१	धनु	१५	२९	द्वि० ज्येष्ठी पूर्णिमा, विवाह, पूर्णिमा व्रत,♎

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने	अं.	आषाढ कृष्णपक्ष जुन-जुलाई २०२६ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते	ता.	उदय-५।११ अस्त-६।४९
मंगल	१	६०।००	अहोरात्र	पू.षा.६०।००	धनु	१६	३०	विल्वामाषाढ़ेक त्यजेत् ।♍कर्णवेध ।
बुध	१	०३।२०	दि. ६।३१	पू.षा.०३।५०	ध. दि. १।१५	१७	१	विवाह, मुंडन, गृहारम्भ, कर्णवेध ।
वृह०	२	०७।१३	८।०४	उ.षा.०९।१३	मकर	१८	२	सौराठ सभा आरम्भ, विवाह, मुंडन, गृहारम्भ,♍
शुक्र	३	०९।५७	९।१०	श्र. १३।३३	म. रा. ११।१६	१९	३	श्री विघ्नराज ४ व्रत, विवाह, मुंडन, गृहारम्भ,♎
शनि	४	११।३५	९।५०	ध. १६।४७	कुम्भ	२०	४	गृहारम्भ, सिद्धियोग दि. ९।५० या. ।
रवि	५	११।५२	९।५७	श. १८।४४	कुम्भ	२१	५	करमूले पुलिकमूलबन्धन ।
सोम	६	०९।५४	९।१०	पू.भा.१९।२५	कु. दि. ६।५४	२२	६	विवाह, पुनर्वसौरवि: ४४।०१ ।
मंगल	७	०८।४२	८।४०	उ.भा.१८।५५	मीन	२३	७	॥०॥♎भदवारम्भ दि. १०।३७ उ., कर्णवेध।
बुध	८	०५।२८	७।२४	रे. १७।२१	मी. दि.१२।०९	२४	८	भदवा समाप्ति दि. १२।०९ या. ।
वृह०	९	०१।१८	प्रा. ५।४४	अ. १५।००	मेघ	२५	९	विवाह, भ. २९।२६ उ. ५६।१६ या. ।
शुक्र	११	५०।४८	रा. १।३२	भ. ११।५१	मे. दि. ३।३५	२६	१०	योगिनी ११ व्रत गृहस्तक ।
शनि	१२	४४।४२	११।०६	कृ. ०८।०७	वृष	२७	११	योगिनी ११ व्रत वैष्णवक, यवचूर्णेन पारणा ।
रवि	१३	३८।२९	८।३८	रो. ०४।०६	वृ. सं. ६।०६	२८	१२	प्रदोष १३ व्रत, प्रदोष १४ व्रत, विवाह,❖
सोम	१४	३२।१७	सं. ६।०९	मृ. ००।१६	मिथुन	२९	१३	सोमवती अमावास्या ।❖सौराठ सभा समाप्ति।
मंगल	३०	२६।१६	दि. ३।४४	पुन. ५१।५८	मि. रा. ८।१९	३०	१४	आषाढी अमावास्या, स्नान-दान ।

दिन	तिथि ति.	तिथि द. प.	तिथि घं. मि.	नक्षत्र द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते	अं. ता.	आषाढ़ शुक्लपक्ष जुलाई २०२६ ई० उदय-५।१४ अस्त-६।४६
बुध	१	२०।३९	दि १।३०	पु. ४८।३६	कर्क	३१	१५	ग्रीष्म नवरात्रारम्भ, कलशस्थापन, चन्द्रदर्शन, मुंडन ।
वृह०	२	१५।३३	११।२८	श्ले. ४५।५५	क. रा.११।३७	३२	१६	श्री जगन्नाथ रथ यात्रा, रेमन्त पूजा, मासान्त ।
शुक्र	३	११।१८	९।४६	मघा ४४।०७	सिंह	१	१७	श्री गणेश ४ व्रत, संक्रान्ति, भ. ३९।३६ उ. ।
शनि	४	०७।५४	८।२६	पू.फा.४३।१४	सिं. रा. ४।३५	२	१८	मासादि, भ. ०७।५४ या. ।
रवि	५	०५।३५	७।३०	उ.फा.४३।२९	कन्या	३	१९	द. ति. ०५।३५ उ. ।
सोम	६	०४।२६	७।०२	ह. ४५।०१	कन्या	४	२०	पुष्येरविः २९।५०, द. ति. ४।२६ या. ।
मंगल	७	०४।३७	७।०७	चि. ४७।४९	क. दि.११।५०	५	२१	भ. ०४।३६ उ. ।
बुध	८	०६।०७	७।४३	स्वा. ५१।४७	तुला	६	२२	भ. ३५।१८ या. ।
वृह०	९	०८।४३	८।४५	वि. ५६।४९	तु. रा. ९।२९	७	२३	सिद्धियोग दि. ८।४५ उ. ।
शुक्र	१०	१२।२७	१०।१५	अनु. ६०।००	वृश्चिक	८	२४	सर्वार्थसिद्धियोग अहोरात्र ।
शनि	११	१६।५९	१२।०६	अनु. ०२।४१	वृश्चिक	९	२५	हरिशयन ११ व्रत सभक ।
रवि	१२	२१।५८	२।०५	ज्ये. ०९।०८	वृ. दि. ८।५७	१०	२६	यवचूर्णेन पारणा, वासुदेव १२, प्रदोष १३ व्रत।
सोम	१३	२६।५९	४।०७	मूल. १५।४०	धनु	११	२७	प्रदोष १४ व्रत ।
मंगल	१४	३१।३७	५।५९	पू.षा.२१।५२	ध. रा. ८।३८	१२	२८	॥०॥
बुध	१५	३५।३१	रा. ७।३२	उ.षा.२७।२६	मकर	१३	२९	आषाढ़ी गुरु पूर्णिमा, स्नान-दान, गुरु व्यास पूजा।

आवश्यक व्यावहारिक मन्त्र

रक्षा बंधन : येन बन्धो वाली राजा दानेवन्द्रो महाबल: ।
तेनत्वाप्रतिवध्नामि रक्षे माचल माचल: ॥

कुशोत्पाटन : कुशाग्रे वस्ते रूद: कुशमध्ये तु केशव: । कुशमूले वसेद् ब्रह्मा कुशन्मे देहि मेदिनी ।
कुशोऽसिकुशपुत्रोऽसि ब्रह्मणा निर्मिता पुरा । देवपितृ हितार्थाय कुशमुत्पाट्याम्यहम् ॥

चौठचन्द्र : सिंह: प्रसेनवमवधीत सिंहो जाम्बवताहत: । सुकुमारक मारो दीपस्तेह्यषव स्यमन्तक: ।

प्रार्थना : दधिसंखतुषाराभम् क्षीरोदार्णव सम्भवम् । नमामि शशिनं भक्त्वा संभोर्मुकुट भूषणम् ॥

उल्का भ्रमण : शास्त्राशस्त्रहतानांच भूतानांभूत दर्शयो: । उज्ज्वल ज्योतिषा देहं निदहेव्योमवह्निना ।
अग्निदग्धाश्च ये जीवा येऽप्यदग्धा: कुले मम । उज्ज्वल ज्योतिषा दग्धास्ते यान्तु परमाङ्गतिम् ॥
यमलोकं परित्यज्य आगता महालये । उज्ज्वलज्योतिषा वर्त्म पश्यन्तो व्रजन्तुते ॥

अगस्त्यार्घदान: कुम्भयोनिसमुत्पन्न मुनीना मुनिसत्तम् । उदयन्ते लंकाद्वारे अर्घोऽयंप्रतिगृह्यताम् ।
शंख पुष्पं फलं, तोयं रत्नानि विविधानि च । उदयन्ते लंकाद्वारे अर्घोऽयंप्रतिगृह्यताम् ॥

प्रार्थना : आतापि भक्षितो येन वातापि च महाबल: । समुद्र शोषितो ये न स मेऽगस्त्य प्रसीदत् ॥

अनन्त : ॐ अनन्त संसार महासमुद्रे मग्नास्या अभ्युद्धर वासुदेव ।
अनन्त रूपे विनियोजयस्य अनन्त रूपायनमोनमस्ते ॥

देवोत्थान : ब्रह्मेन्द्ररुद्ररभिवन्द्यमानो भवानुषिर्वन्दित वन्दनीयः । प्राप्ता तवेयं किलकौमुदाख्या जागृष्व जागृष्व च लोकनाथ ।। मेघा गता निर्मल पूर्णचन्द्रः शारद्यपुष्पाणि मनोहराणि । अहं ददानीति च पुण्यहेतो जागृष्व जागृष्व च लोकनाथ । उत्तिष्ठोतिष्ठ गोविन्द त्यज निन्द्रां जगत्पते । त्यव चोत्थीय माने उत्थितं भवनत्रयम् ।

घटदान विधि : ॐ वरिपर्णघटनाय नमः ३ । ॐ ब्राह्मणाय नमः ३ । ॐ अद्येत्यादि मेषार्क संक्रमण प्रयुक्तपुण्याहे अमुकगोत्रस्य पितुः (गोत्राया मातु) अमुक शर्मा (देव्या) स्वर्गकामः (कामा) इमं वारिपूर्ण घट यथानामगोत्राय ब्राह्मणाय अहंददे । ॐ अद्यकृतैत् वारिपूर्णघटदान प्रतिस्ठार्थम् एतावद्द्रव्यमूल्यक हिरण्यमग्निदेवतं यथानामगोत्राय ब्राह्मणाय दक्षिणा महंददे ।

दूर्वाक्षत मन्त्र : ॐ आब्रह्मन् ब्राह्मणो ब्रह्मवर्चसी जायतामाराष्ट्रे राजन्यः शूर इषव्योऽतिव्याधि महारथी जायताम् दोग्ध्री धेनुर्वोढाऽनड्वानाशुः सप्ति पुरन्धिर्योषा विष्णुरथेष्ठा सभेयो युवाऽस्ययजमानस्य विरोजायताम् निकामे निकामे नः पर्ज्जनयो वर्षतु फलवत्यो न ओषधयः पच्यन्ताम् योगक्षेमोन कल्पताम् मन्त्रार्थाय सिद्धयः सन्तु पूर्णा सन्तु मनोरथा शत्रुणां बुद्धिनाशोस्तु मित्राणामुदयस्तव ।

वाजसनेयी धारण यज्ञोपवीत मन्त्र : ॐ यज्ञोपवीतम् परमम पवित्रं प्रजापतेर्यतसहजं पुरस्तात् । आयुष्यमग्रयं प्रतिमृञ्च शुभ्रं यज्ञोपवीतम् बलमस्तुतेजः ।

छन्दोग : ॐ यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वोपवीतेनोपनह्यामि ।

संक्षिप्त वैतरणी दान

ॐ कृष्णगव्यै नमः ३ । ॐ ब्राह्मणाय नमः ३ । ॐ उष्में वर्षति शीते वा मारुते वाति वा भृषम् । दातारं त्रायते यस्मात्तस्माद्वैतरणी स्मृता । यमद्वारे महाघोरे कृष्णां वैतरणी नदी । तासन्तर्तृन्ददाम्येनं कृष्णां च गाम् । इति पठित्वा कूशत्रयतिलजलान्यादय–''ओमद्यामुकगोत्रस्य पितुरमुकशर्मण यमद्वार स्थित-वैतरणी नदी सुखसन्तरणकाम इमां कृष्णांगारुद्रदैवताममुकगोत्रायऽमुक शर्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमेहं सम्प्रददे'' ओ स्वस्तीति प्रतिवर्चनम् । ओमद्य कृतैतत् कृष्णगवीदानप्रतिष्ठार्थमेतावद्द्रव्यमूल्यक हिरेण्यमग्निदैवतम्–दक्षिणा । प्रतिग्रहीता ॐ स्वस्तोत्युक्त्वा गोपुच्छं गृहणन् यथा साखं कामस्तूति पठेत् । गोसन्निधाने ॐ एतावद्द्रव्यमूल्यक कृष्णगव्यै नमः पूर्ववत् ।

संक्षिप्त दाह-संस्कार

कर्त्ता स्नान कए नूतनवस्त्रादि पहीरि पूर्वमुहे वैसि नूतनमृत्तिका पात्रमे जल अभिमन्त्रित करथि–ॐ गयादीनि च तीर्थनि ये च पुण्याः शिलोच्चयाः । कुरुक्षेत्रं च गङ्गा च यमुनां च सरिद्वराम् ।। कौशाकि चन्द्रभागाञ्च सर्वपापप्रणाशिनीम् ।। भद्रावकाशां सरयू गण्डकी तमसान्तया । धैनवञ्च वराहञ्चतीर्थपोण्डारकन्तथा । पृथिव्यां यानि तीर्थानि चतुरः सागरास्तथा । मनसँ ध्यान करैत जलसँ दक्षिण सिर शवकेँ स्नान करा नूतन वस्त्रद्वयं यज्ञोपवित पुष्प चन्दनादिसे अलंकृत कय चिता पर उत्तर मुँह अधोमुख पुरुष के तथा स्त्रीगणके उत्तान शयन करा, अपसव्य भय दक्षिणाभिमुख भय वाम हाथमे ऊक लय–ॐ देवश्चाग्निमुखाः सर्वे कृतस्नपनं गतायुषमेनं दहन्तु । मनमे ध्यान करैत–ॐ कृत्वा सुदुष्करं कर्म जानता वाप्यजानता । मुत्यूकालवशं प्राप्तं नरं पञ्चत्वमागतम् । धर्माधर्मसमायुक्तं लोकमोहसमायुक्तम् । दहेयं सर्वगात्राणि दिव्याल्लोकान् स गच्छतु । इति मन्त्रद्वयं पठित्या त्रिः प्रदक्षिणीकृत्यञ्वदुल्मुक-शिरो देशे दद्यात् । ततस्तृणकाष्टघृतादिकं चितायां निक्षिप्य कपोतावशेषं दहेत । ततः प्रदेश मात्र सप्तकाभिः सह प्रदक्षिणा सप्तकं विधाय कुठारेण उल्मुकं प्रति प्रहार

सप्तकं निधाय क्रव्यादाय नमस्तुभ्यमित्येकैकां काष्टिकामग्नौ क्षिपेत् । ततः ॐ अहरहर्न्नयमानो गामश्वं पुरुषं पशुम् । वैवस्वतो न तृप्यति सुराभिरिव दुर्मतिः । इति यमगाथा गायन्तो बालपुरस्सराः वृद्धपश्चिमा पादेन पादस्पर्शम् अकुर्वाणाः जलाशयं गच्छेयु । ओमद्यामुकगोत्राय:ऽमुक प्रेत एष तिलतोयाञ्जलिस्ते मया दीयते तवोप्रतिष्ठताम् । बादमे लोहा, पाथर, आगिक स्पर्श ।

मुहुर्त विचार

विवाह : शुद्ध समय, सौर मास, वैसाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, अग्रहण, माघ, फाल्गुन । दिन–र, सो, बु, वृ ।

शुभ नक्षत्र : रो, मू, उ, ३ म, ह, स्वा, अनु., मू, रे । पारस्करमते अ, चि, म, ध । तिथि ४, ९, १४, ३० रहित ।

द्विरागमन : विषमवर्ष सौम्यमास अग्रहण, कार्तिक, बैशाख । नक्षत्र : अ, रो, मृ, पुन, ३ ह, चि, स्वा, अनु, मू० अ, व, रे, दिन पूर्वोक्त । शुक्ल पक्ष कृष्ण ५ धरि शुक्रोदय यात्रोक्त थिक ।

उपनयन : शुद्ध समय उत्तरायन (माघ सँ आषाढ़) दिन : र, सो, बु, वृ, शु, तिथि २, ३, ५, १०, ११, १२ पक्ष शु, कृ. ५ धरि । नक्षत्र : अ, रो, मृ, पु, ह, चि, स्वा, ज्ये, पूर्वी ३ श्र, ध, श, रे, प्रदोष रहित ।

मुण्डन : विषमवर्ष शुक्ल पक्ष चैत, पूस चर्तुमास ओ शनि मंगल वर्जित तिथि २, ३, ९, १०, ११, १३, ओ शुभ नक्षत्र लग्न ।

यात्रा : प्रशस्त नक्षत्र अ, पु, ह, अनु., मृ, श्र, रे । त्याज्य भ, कृ, आ, श्ले, म, उ, ३ वि, शेष मध्यम दिक्शूल अधपहरा रहित अमष्टतादियोगमे सम्मुख चन्द्र कृज्णपक्ष मे तारा ।

चन्द्रविचार : मे, सि, ध, पूर्व कन्या, वृष, मकर, दक्षिण, मि, तु, कु, पश्चिम, कर्क वृश्चिक मीन उत्तर ।

१४३३ सालक पर्व सूची

मौना पंचमी	१५ जुलाई
मधुश्रावणी व्रत	२७ जुलाई
नागपञ्चमी	२९ जुलाई
रक्षाबन्धन	९ अगस्त
स्वतंत्रता दिवस	१५ अगस्त
कृष्णाष्टमी व्रत	१७ अगस्त
हरितालिका व्रत	२६ अगस्त
चौठचन्द्र व्रत	२६ अगस्त
इन्द्रपूजारम्भ	४ सितम्बर
अनन्त १४ व्रत	६ सितम्बर
अगस्त्यार्घदान	७ सितम्बर
पितृपक्षारम्भ	८ सितम्बर
जिमूतवाहन व्रत	१४ सितम्बर
विश्वकर्मा पूजा	१७ सितम्बर
पितृपक्षान्त	२१ सितम्बर
कलशस्थापन	२२ सितम्बर
बेलनौती	२८ सितम्बर
निशापूजा	२९ सितम्बर
महाष्टमी व्रत	३० सितम्बर
महानवमी व्रत	१ अक्टूबर
विजयादशमी	२ अक्टूबर
गाँधी जयन्ती	२ अक्टूबर
कोजागरा	६ अक्टूबर
धनतेरस	१८ अक्टूबर
काली पूजा	२० अक्टूबर
दियावाती	२० अक्टूबर
सोमवती अमा०	२० अक्टूबर
भ्रातृ द्वि०,चित्रगुप्तपूजा	२३ अक्टू.
छठि व्रत	२७ अक्टूबर
सामा पूजारम्भ	२८ अक्टूबर
अक्षय नवमी	३० अक्टूबर
देवोत्थान एकादशी	१ नवम्बर
सामा विसर्जन	५ नवम्बर
कार्तिकी पूर्णिमा	५ नवम्बर
बीड़ पंचमी	१० नवम्बर
षा० रविव्रतारम्भ	२३ नवम्बर
विवाह पंचमी	२५ नवम्बर
गीता जयन्ती	१ दिसम्बर
दशतारकारम्भ	१९ दिसम्बर
दशतारकान्त	२९ दिसम्बर
मकर संक्रान्ति	१४ जनवरी
नरक निवारण१४ व्रत	१७ जन.
माघी मौनी अमा०	१८ जनवरी
सरस्वती पूजा	२३ जनवरी
अचला सप्तमी	२५ जनवरी
गणतंत्र दिवस	२६ जनवरी
महाशिवरात्रि व्रत	१५ फरवरी
सोमवती अमा०	१६ फरवरी
होलिकादहन	२ मार्च
होली	४ मार्च
वा० नवरात्रारम्भ	१९ मार्च
वा० छठि व्रत	२४ मार्च
रामनवमी	२७ मार्च
वा० विजयादशमी	२८ मार्च
सतुआईन	१४ अप्रैल
जूड़शीतल	१५ अप्रैल
अक्षय तृतीया	२० अप्रैल
जानकी नवमी	२५ अप्रैल
षा० रविव्रतान्त	२६ अप्रैल
वटसावित्री व्रत	१६ मई
गंगा दशहारा	२६ मई
जगन्नाथ रथ यात्रा	१६ जुलाई
हरिशयन ११ व्रत	२५ जुलाई
आषाढ़ी गुरु पूर्णिमा	२९जुलाई